

१२३
इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह:—

ग्रंथ क्रमांक

४ बरुर (टटर)

ग्रंथ नाम

समाधि विवरणांची

बिहिदेवी बरुर

विषय

म. गद्य.

①

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

तं विद्मः परमं धाम परमं धाम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



②

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
तं विद्मः परमं धाम परमं धाम
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
तं विद्मः परमं धाम परमं धाम
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
तं विद्मः परमं धाम परमं धाम
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

~~श्रीमन्महाविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्~~

[illegible][illegible]

~~नाम गुरुदेव महाराज के प्रति भक्तिपूर्वक प्रणाम~~

[illegible][illegible]

अंशको - मन्त्रोपासनाय विष्णोः पञ्चमोऽङ्गः

~~अथ पुराणस्य अष्टादशोऽध्यायः~~

प्राचीन इतिहास परीक्षा के लिए उपयोगी सूचनाएँ

नमो भगवते वासुदेवाय

than Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

युगप्रकरणेन विज्ञेयम्

याप्राप्तिकार्याने

सुगुह्यमज्ञेयं च पंचमः तत्त्वः हा एभिन्ना वा पञ्चराशः अविद्युतेषु

~~विश्वनाथजी महाराज मंगळीर मठ, पुणे येथे स्थापित करण्यात येईल~~

पेढावासमा जमिनीको नक्सा तयार पार्ने काम भइरहेको छ।

~~एकदशमस्कन्धे~~

[illegible]

~~महाराष्ट्र के राजपूतों के नामों के बारे में~~

~~संस्कृत~~

~~द्वितीयः प्रश्नः - श्रीगणेशाय नमः~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ਗੁਰੂਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ 1606-1675 ਈਸਵੀ 1015 ਐਸਵੀ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

10

Ch

48

HB

hc

(49)

He-



[illegible][illegible][illegible]

आचार्यो गुरुण्यलं चिदाद्ये निवृत्तिर्निर्गुणमपराधं

सिद्धांत पारमार्थिक उपायानुसंगिक चरित्र

पंजसिद्धिस्तोत्रं योऽप्युपास्यति सदा सुखं भवति ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

Waranand, Dhule and the

मोहनीयते आर्येभ्यः शत्रुभ्यः यान्तिभ्यः यान्ति

Chavan
rajawade

Joint project of the Government of India and the Government of Maharashtra

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महाशय्यपदार्थोपाधौ चोत्पत्तिरस्य निमित्तकृत्या न च

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

~~Handwritten text, likely a signature or name, crossed out with a horizontal line.~~

निम्नलिखित विषयों पर विचार करके अपने विचारों को लिखिए।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

१. निम्नलिखित विषयों पर विचार करें और अपने विचारों को लिखें।

॥ इति श्रीपञ्चमहापुराणस्य ब्रह्मवैवर्तस्य प्रथमोऽध्यायः ॥

1

2.

3

[illegible]

五

[illegible]

73

[illegible]

72

१) समस्त जगत्सर्वस्व १) पञ्चमहाभूत
२) समस्त जगत्सर्वस्व २) समस्त जगत्सर्वस्व

१) पञ्चमहादेवोऽयं ब्रह्मा
 २) अथर्ववेदोऽयं ब्रह्मा
 ३) अथर्ववेदोऽयं ब्रह्मा
 ४) अथर्ववेदोऽयं ब्रह्मा

[illegible]

[illegible]

④

~~ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
गोकुलेश्वर उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे निजं रूपं ध्यायेत् ॥
अथैषां पुण्याप्येषां च परात्मनो यत्तु ज्ञानं तदा
श्रुत्वा शिष्य इति शिरसा महीधरा उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे
प्रसीदामि ते मेधाविता ॥ अहं कुरुक्षेत्रे निजं रूपं ध्यायेत् ॥
उपरिष्ठितं तु विदुर्वाचं पुरातनं वीर्यवान् ॥ अहं कुरुक्षेत्रे
महाभारतं दत्तं मुनिना ॥ अहं कुरुक्षेत्रे निजं रूपं ध्यायेत् ॥~~

[illegible][illegible]

116
 धारिं देहो लोकाणि भूतानि च पशुनां चैव जगत्सर्वम्
 दृष्ट्वा ह्यपि न च पश्यात्तन्मया चैव विदुषां चैव
 राशिं ह्येव दृष्ट्वा चैव विदुषां चैव विदुषां चैव
 चैव विदुषां चैव विदुषां चैव विदुषां चैव
 जेव विदुषां चैव विदुषां चैव विदुषां चैव

॥ १ ॥
 ॥ २ ॥
 ॥ ३ ॥
 ॥ ४ ॥
 ॥ ५ ॥
 ॥ ६ ॥
 ॥ ७ ॥
 ॥ ८ ॥
 ॥ ९ ॥
 ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥
 ॥ १२ ॥
 ॥ १३ ॥
 ॥ १४ ॥
 ॥ १५ ॥
 ॥ १६ ॥
 ॥ १७ ॥
 ॥ १८ ॥
 ॥ १९ ॥
 ॥ २० ॥
 ॥ २१ ॥
 ॥ २२ ॥
 ॥ २३ ॥
 ॥ २४ ॥
 ॥ २५ ॥
 ॥ २६ ॥
 ॥ २७ ॥
 ॥ २८ ॥
 ॥ २९ ॥
 ॥ ३० ॥
 ॥ ३१ ॥
 ॥ ३२ ॥
 ॥ ३३ ॥
 ॥ ३४ ॥
 ॥ ३५ ॥
 ॥ ३६ ॥
 ॥ ३७ ॥
 ॥ ३८ ॥
 ॥ ३९ ॥
 ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥
 ॥ ४३ ॥
 ॥ ४४ ॥
 ॥ ४५ ॥
 ॥ ४६ ॥
 ॥ ४७ ॥
 ॥ ४८ ॥
 ॥ ४९ ॥
 ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥
 ॥ ५३ ॥
 ॥ ५४ ॥
 ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥
 ॥ ५७ ॥
 ॥ ५८ ॥
 ॥ ५९ ॥
 ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥
 ॥ ६२ ॥
 ॥ ६३ ॥
 ॥ ६४ ॥
 ॥ ६५ ॥
 ॥ ६६ ॥
 ॥ ६७ ॥
 ॥ ६८ ॥
 ॥ ६९ ॥
 ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥
 ॥ ७२ ॥
 ॥ ७३ ॥
 ॥ ७४ ॥
 ॥ ७५ ॥
 ॥ ७६ ॥
 ॥ ७७ ॥
 ॥ ७८ ॥
 ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥
 ॥ ८२ ॥
 ॥ ८३ ॥
 ॥ ८४ ॥
 ॥ ८५ ॥
 ॥ ८६ ॥
 ॥ ८७ ॥
 ॥ ८८ ॥
 ॥ ८९ ॥
 ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥
 ॥ ९२ ॥
 ॥ ९३ ॥
 ॥ ९४ ॥
 ॥ ९५ ॥
 ॥ ९६ ॥
 ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥
 ॥ ९९ ॥
 ॥ १०० ॥

116

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
 १ ॥ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ २ ॥
 ३ ॥ द्रुपद उवाच ॥ सौम्यं वदस्व मे परमं त्वयि
 ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥



17A

17B

17C

17D

17E

18

(Faint handwritten Marathi text, likely bleed-through from the reverse side of the page)

23

[illegible]

180

~~ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥~~

(18)

[illegible]



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com